अधिगम की परिभाषाएँ :-
(DEFINITIONS of LEARNING)

Notes

1- गेट्स के अनुसार - "अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन लाना ही अधिगम होता है"।
"Learning is the modification of Behaviour Through Experience and Training"

2. स्किनर के अनुसार - "सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है"
"Learning is a Process of Progressive Behaviour adaptation."

3- वुडवर्थ के अनुसार - "नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं के प्राप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है"। "The Process of acquiring new Knowledge and new Responces in the Process of Learning."

4- क्रो एवं क्रो के अनुसार - "अधिगम, आदतों, ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन है"

5- ब्लेयर, जोन्स और सिम्पसन के अनुसार - "व्यवहार में कोई परिवर्तन जो अनुभव का परिणाम और उसके फलस्वरूप व्यक्ति आने वाली स्थितियों का भिन्न प्रकार से सामना करता है। अधिगम कहलाता है।" "Any change of Behaviour which is a Result of Experince and which causes People to face Lat[e]r Situation differently may by called Learning."

अधिगम की प्रकृति :-
(NATURE OF LEARNING)

1- अधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है।
2- अधिगम व्यक्ति की क्रियाशीलता पर निर्भर होता है।
3. अधिगम विकास की प्रक्रिया है। जहाँ व्यक्ति को स्व-प्रयास करना पड़ता है।
4- अधिगम व्यक्ति के वातावरण के अनुरूप व्यक्ति में परिवर्तन लाता है ये परिवर्तन स्थायी अस्थायी होता है।

DATE

Scanned with CamScanner

5- अधिगम सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनो हो सकता है।
6- अधिगम व्यवहार में परिवर्तन की मानवीय क्रिया है।
7- अधिगम प्रक्रिया उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।
8- अधिगम व्यक्ति को आवश्यक समायोजन और योग्यता के लिए तैयार किया जाता है।
9- अधिगम सहज क्रिया नही है।
10- परिपक्वता, थकान, बीमारी, नशे उन्मादि के कारण व्यवहार में परिवर्तन का अधिगम से कोई सम्बन्ध नही होता है।

अधिगम की विशेषताएँ
(CHARACTERISTICS of LEARNING)

1- अधिगम परिवर्तन है।
2. अधिगम सम्पूर्ण जीवन चलाता है।
3. सीखना विकास है।
4- सीखना अनुकूलन है।
5. सीखना सार्वभौमिक है।
6- सीखना नया कार्य करना है।
7- सीखना अनुभवों का संगठन है।
8. सीखना उद्देश्य पूर्ण है।
9. सीखना विवेक पूर्ण है।
10 सीखना सक्रियता है।
11 सीखना व्यक्तिगत और सामाजिक दोनो है।
12- सीखना वातावरण की उपज है।

अधिगम के प्रकार
(Types of Learning)

सीखने के सिद्धान्तों, विधियों, सीखने की सामग्री, और सीखने का ढंग आदि को ध्यान में रखते हुए मनोवैज्ञानिकों ने सीखने अथवा अधिगम के प्रकारों के के लिए कई वर्गीकरण किये हैं।

निम्न प्रकार वर्गीकरण किये गये है।

Notes

संवेदन गति सीखना (Sensory Motor learning)
गामक सीखना (Motor learning)
बौद्धिक सीखना (Intellectual learning)

संवेदनागति सीखना → संवेदन गति सीखने की प्रक्रिया में कौशल अर्जन सम्बन्धी ज्ञान आता है। इसे व्यक्ति द्वारा विभिन्न प्रकार की कुशलताएं अर्जित किया जाता है

जैसे- तैरना, पेड़ पर चढ़ना, बाइक चलाना, टाइपिंग करना चित्र बनाना आदि

गामक सीखना

इस प्रकार सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति विकास की प्रारम्भिक अवस्था शरीर में संचालन एवं गति पर नियन्त्रण करना सीखता है।

बौद्धिक सीखना

इसके अन्तर्गत ज्ञानोपार्जन सम्बन्धी समस्त क्रियाएं आती हैं।

ये निम्नवत हैं।

1- प्रत्यक्षीकरण
2. सम्प्रत्ययात्मक सीखना
3. सहचर्यात्मक सीखना
4- रसानुभूतिपरक सीखना

प्रत्यक्षीकरण - इस प्रकार के सीखने मे व्यक्ति इन्द्रियो की सहायता से पदार्थ और बाह्य घटनाओं या तथ्यो की जानने की क्रिया करता है यह एक मानसिक क्रिया है, इनमे निम्न क्रियाएं सम्मलित है, जैसे किसी उत्तेजक का उपस्थित होना, उत्तेजक के ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करना उत्तेजक अनुभव को मस्तिष्क में स्थित बोध केन्द्र तक पहुंचाना संवेदन का अर्थ जुड़कर प्रत्यक्षीकरण होना

Scanned with CamScanner

सम्प्रत्यात्मक सीखना :- इस प्रकार के सीखने में व्यक्ति को तर्क, कल्पना, और चिन्तन का सहारा लेना पड़ता है। सम्प्रत्य निर्माण प्रत्यक्षीकरण के बाद विभिन्न वस्तुओं का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त कर व्यक्ति उनके गुणों का विश्लेषण करता है। और उसमे तुलना करता है। इस प्रकार की वस्तुओं की जानकारी प्राप्त कर लेता हैं और उसके गुणों से ~~परिचय~~ परिचित हो जाता है।

(iii) साहचर्यात्मक सीखना :- इस प्रकार के सीखने में स्मृति का महत्वपूर्ण स्थान होता हैं, जब दो या दो से अधिक वस्तुएँ व्यक्तियों या तथ्यों में पूर्ण अथवा आंशिक रूप मे समानता होती या असमानता होती हैं, तो एक वस्तु व्यक्ति अथवा तथ्य के स्मरण से ~~पूर्ण अथवा आंशिक रूप से~~ दूसरे का स्मरण स्वयं हो जाता है।

(iv) रसानुभूतिपरक सीखना :- इस प्रकार के सीखने बालक और व्यक्ति संवेगात्मक अनुभूति से सीखते हैं। भावात्मक वर्णन या परिदृश्य से अभिभूत होकर वह सम्बन्धी गुणों को सीखता है।

1. सरल अधिगम या सीखना
2. कठिन सीखना
3. आकस्मिक सीखना
4. उद्देश्यपूर्ण सीखना।

DATE

Scanned with CamScanner

Notes

अधिगम के उद्देश्य व महत्व
(Aims And Importance of Learning)

1- व्यवहार में परिर्वतन सीखना व्यवहार में ~~लाने की~~ परिर्वतन लाने की प्रक्रिया जो व्यक्ति कुछ भी सीखता है। उसके बाद इसके व्यवहार में परिवर्तन होता है। इसके द्वारा व्यक्ति में वांछित व्यवहार परिर्वतन भी किया जाता है। सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति के व्यवहार में उसके तीनों ही पक्षों - ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक में परिर्वतन लाया जा सकता है।

2. शिक्षण - अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति :- सीखने की प्रक्रिया में बालक के लिए निर्धारित शिक्षण अधिगम के उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है। इस परिर्वतन प्रक्रिया में बालक की शिक्षण अधिगम परिस्थितियों में परिर्वतन लाया जा सकता है। इन परिर्वतनों में बालक नये ज्ञान कौशल, अनुप्रयोग, अभिरुचि एवं अभिरुचियों को सीखता है।

ज्ञान, कौशल, आदत, अभिवृत्ति व मूल्यों का अधि
(LEARNING AND KNOWLEDGE, SKILL, HABIT, ATTITUDE AND VALUES)

बाल के व्यवहार में किस तरह परिर्वतन किया जाय इसके लिए आवश्यक है कि बालक के व्यवहार तथा किसी उत्तेजक के प्रति अनुक्रिया करने की प्रक्रिया को समझा जाय जो बालक के व्यवहार को रेखांकित करे

[ज्ञान] → [कौशल] → [आदत व व्यवहार]

DATE